मच्छरों से निपटने में नकली फूलों की मदद

मच्छर वैसे तो खून चूसने के लिए मशहूर हैं लेकिन वे ज़्यादातर समय फूलों का रस ही चूसते हैं। जॉर्जिया सदर्न विश्वविद्यालय के थॉमस कोलार्स मच्छरों की इस आदत और फूलों के आकर्षण का इस्तेमाल मलेरिया, डेंगू, पीत ज्वर जैसे रोग फैलाने वाले मच्छरों को पकड़ने में करने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए कोलार्स ने नीले, हरे, लाल, पीले रंगों के फूलों के आकार के प्लास्टिक के पिंजरे तैयार किए हैं। ये रंग आम तौर पर मच्छरों को लुभाते हैं। पिंजरे के बीच में एक तश्तरी पर मीठा द्रव रखा जाता है जिसमें एक बैक्टीरिया (बीटी) का विष घोल दिया गया है। बीटी विष वास्तव में एक कीटाणु नाशी है जो मच्छरों को मारने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। एक पतली जाली की मदद से अन्य कीटों को अंदर आने से रोका जाता है और सिर्फ मच्छरों की सूंड ही अंदर घुस पाती है। प्रयोगशाला में किए गए प्रयोग के दौरान यह यंत्र मच्छरों को मारने में सफल रहा। कोलार्स अब इसका परीक्षण प्रयोगशाला के बाहर मैदानी परिस्थिति में करने जा रहे हैं। ***(स्रोत फीचर्स)***